55C CHSL 2022 (S)





HISTORY

दिल्ली सल्तनत



(खिल्न्जी वंश



LIVE | 06:30 PM

BY ASHUTOSH MAHENDRAS



UPCOMING ONLINE BATCHES





www.mahendras.org • 🗘 7052477777/7052577777





H/w Q. Who among the following sultans of the Delhi Sultanate appointed Ghiyasuddin Balban as his/ her Prime Minister?

दिल्ली सल्तनत के निम्नलिखित सुल्तानों में से किसने गयासुद्दीन बलबन को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया ?

- (a) /Nasiruddin Mahmud / नासिरुद्दीन महमूद
 - (b) Shamsuddin Iltutmish / शमसुद्दीन इल्तुतिमश
 - (c) Muizuddin Bahram / मुईजुद्दीन बहराम
 - (d) Raziyya/रजिया

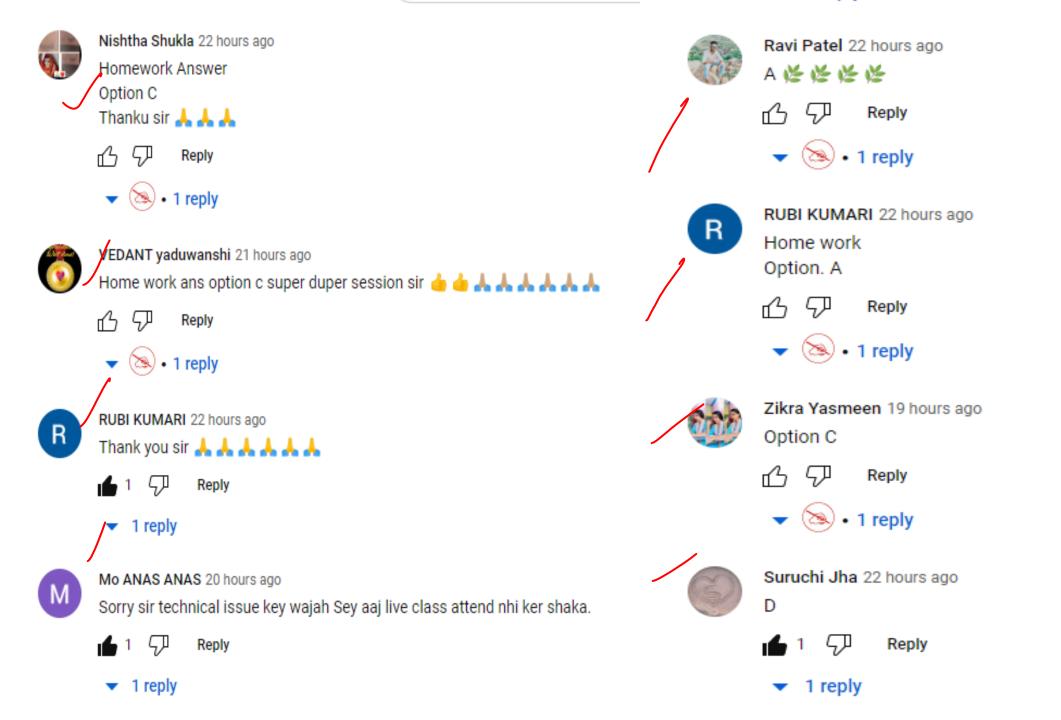






दिल्ली सल्तनत के सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद ने गयासुद्दीन बलबन को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। बलबन ने 1266 ई. से 1286 ई. तक सुल्तान के रूप में सल्तनत की बागडोर संभाली। उसे उलूग खां के नाम से जाना जाता है। इल्तुतिमश की भांति वह भी इल्बारि तुर्क था।

Sultan Nasiruddin Mahmud of the Delhi Sultanate appointed Ghiyasuddin Balban as his prime minister. Balban took over the reins of the Sultanate as Sultan from 1266 AD to 1286 AD. He is known as Ulugh Khan. Like Iltutmish, he was also an Ilbari Turk.







Surbhi Sinha 22 hours ago Nasiruddin





Reply





1 reply



sandeep yadav 22 hours ago Nasiruddin Mahmud





Reply





1 reply





दिल्ली सल्तनत

Delhi Sultanate

(1206-1526)





दिल्ली सल्तनत/ Delhi Sultanate

(1206-1526)

Sl. No.	राजवंश/ Dynasty	शासनकाल/ Reign
1	गुलाम वंश /Slave dynasty	1206-1290
½	खिलजी वंश /Khilji dynasty —	1290-1320
3/	तुगलक वंश /Tughlaq dynasty	1320-1414
A	सैय्यद वंश /Sayyid dynasty	1414-1451
5	लोदी वंश /Lodi dynasty	1451-1526







दिल्ली सल्तनत में खिलजियों का शासन काल सबसे कम समय तक था, खिलजी तुर्कों की 64 नस्लों में से एक थे लेकिन यह निम्न वर्ग के तुर्क थे।

• The reign of the Khiljis in the Delhi Sultanate was the shortest, Khilji was one of the 64 races of Turks but it was a lower class Turk.



खिलजी वंश की स्थापना 13 जून, 1290 ई. को जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने गुलाम वंश के आखिरी शासक क्युमर्श की हत्या कर के की।

• The Khilji dynasty was established on June 13, 1290 AD by Jalaluddin Firoz Khilji by killing the last ruler of the slave dynasty, Qumarsh.

खिलजी वंश /

Khilji dynasty

(1290-1320)







खिलजी वंश /Khilji dynasty (1290-1320)

SL	शासक Ruler	शासनकाल Reign
1	जलाल-उद-दीन खिलजी Jalal-ud-din Khilji	1290 ई. 1296 ई.
2	अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji	1296 ई 1316 ई.
3	शिहाब-उद-दीन खिलजी Shihab-ud-din Khilji	1316 ई.
4	कुतुब-उद-दीन मुबारक खिलजी Qutb-ud-din Mubarak Khilji	1316 ई 1320 ई.
5	नासिरुद्दीन खुसरवशाह Nasiruddin Khusravshah —	15 अप्रैल से 27 अप्रैल 1320 ई.





जलाल्द्दीन खिलजी की हत्या उसके भतीजे और दामाद अलाउद्दीन खिलजी ने कर दी और 22 अक्टूबर 1296 ई. में यह दिल्ली का सुल्तान बना।

Jalaluddin Khilji was assassinated by his nephew and son-inlaw Alauddin Khilji and on 22 October 1296, he became the Sultan of Delhi.

अलाउद्दीन खिलजी /

Alauddin Khilji

(1296-1316)

- 🦯 अलाउद्दीन खिलजी के बचपन का नाम् अली तथा गुरशास्प थी।
 - Alauddin Khilji's childhood name was Ali and Gurshasp.
- इसने अपने सिक्कों में सिकंदर-ए-सानी अर्थात द्वितीय सिकंदर की उपाधि धारण की।
 - assumed the title of Sikandar-i-Sani i.e. Second Alexander in his coins.







यह एक नया धर्म चलाना चाहता था किंतु उलेमा (मुस्लिम विद्वान) के कहने पर इसने अपना निर्णय बदल दिया।

• He wanted to start a new religion but at the behest of the Ulema (Muslim scholar) it changed its decision.

अलाउद्दीन खिलजी

Alauddin Khilji (1296–1316)

अलाउद्दीन खिलजी ने सेना को नकद वेतन देने और स्थाई सेना की नींव रखी।

Alauddin Khilji paid cash salary to the army and laid the foundation of a permanent army.

घोड़ा दागने तथा सैनिकों के हुलिया लिखने की प्रथा की शुरुआत भी अलाउद्दीन खिलजी ने की।

• Alauddin Khilji also started the practice of firing horses and writing soldiers' stances.





अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296–1316) 🎤 🍊 अलाउद्दीन खिलजी ने भू राजस्व कर बढ़ाकर उपज के 50% कर दिया।

- Alauddin Khilji increased the land revenue tax to 50% of the yield.
- इसने लूटे हुए धन जिसे खिम्स कहा जाता था, उसमें सुल्तान का हिस्सा 25%से बढ़ाकर 75% कर दिया।
 - It increased the share of the Sultan from 25% to 75% in the looted wealth which was called Khams.





अलाउद्दीन के 4 प्रमुख सेनापति Alauddin's 4 chief generals:

 1. जफर खां
 2. नूरसतन खां
 3. उलूग खां
 4. मिलक

 काफूर
 —

1. Zafar Khan 2. Nurstan Khan 3. Ulugh Khan 4. Malik Kafur

- अलाउद्दीन खिलजी ने मिलक काफूर को गुजरात में 1000 दिनार में खरीदा था, इसीलिए मिलक काफूर को एक हजार दिनारी भी कहा गया।
 - Malik Kafur was bought by Alauddin Khilji in Gujarat for 1000 dinar, hence Malik Kafur was also called Ek Hazar Dinari.

अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296–1316)





1301 ई. में उसके विरुद्ध तीन विद्रोह हुए:

- 1. अकत खां का विद्रोह
- 2. उमर खां एवं मंगू का विद्रोह
- 3. हाजी मौला का विद्रोह

In 1301 AD, there were three rebellions against him:

- 1. Revolt of Akat Khan
- 2. Revolt of Umar Khan and Mangu
- 3. Revolt of Haji Maula

अलाउद्दीन खिलजी

Alauddin Khilji

(1296-1316)





(1296-1316)

अलाउद्दीन खिलजी

Alauddin Khilji

अध्यादेश

Ordinance

- एक सशक्त (मजबूत) गुप्तचर व्यवस्था की स्थापना की तथा बरीद तथा मुन्हिया जासूस नियुक्त किये गये।
- Established a strong intelligence system and Barid and Munhiya spies were appointed.
- अमीरों के पारस्परिक मेल जोल और विवाह सम्बन्धों पर रोक।
- Prohibition on mutual association and marriage relations of the rich.
- शराब और भांग जैसे मादक पदार्थों के प्रयोग पर रोक।
- Prohibition on the use of intoxicants such as alcohol and cannabis.
 - अनुदान में दी गयी भूमियां इसने वापस ली और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिनके पास अत्यधिक सम्पत्ति है उनसे कर के रूप में ले ली जाये।
- It took back the lands given in the grant and directed the revenue officers to take it as tax from those who have excessive wealth.





अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296–1316)

- अलाउद्दीन के अभियानों को दो भागों में बांटा जाता है :
- Alauddin's campaigns are divided into two parts:
- (I) उत्तर भारत के अभियान /

Expeditions of North India

(II) दक्षिण भारत के अभियान /

Expeditions of South India





अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296–1316)

- उत्तर भारत अभियान में अलाउद्दीन ने उत्तरी भारत के कई राज्यों को जीत लिया था तथा जीते हुये राज्यों को अपने साम्राज्य में मिला लिया था, जबिक दक्षिण के राज्यों को जीतकर भी अपने साम्राज्य में मिलाने की बजाय अपनी अधीनता स्वीकार करवाकर अपने अधीन शासन करने का अधिकार दिया था।
 - In the North India campaign, Alauddin had conquered many states of northern India and merged the conquered states into his empire, while conquering the southern states, instead of annexing them to his empire, Had given the right to rule under him by accepting his subjugation





गुजरात विजय / Gujarat Victory – 1299 AD

अलाउद्दीन खिलजी

Alauddin Khilji (1296–1316)

- इस समय यहां का शासक कर्ण बघेला था, 1299 में गुजरात अभियान हुआ और कर्ण बघेला बिना युद्ध किये ही भाग गया और देविगरी में रामचन्द्र देव के यहां शरण ली। इस तरह गुजरात को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया गया।
- At this time the ruler here was Karna Baghela, in 1299 the Gujarat campaign took place and Karna baghela fled without fighting and took refuge in the house of Ramchandra Dev in Devagiri. In this way Gujarat was merged with Delhi Sultanate.





अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296-1316)

रणथम्भौर विजय Ranthambore Victory – 1300-1301 AD

- इस समय यहां का शासक हम्मीर देव था । 1300 ई. में रणथम्भौर अभियान हुआ और हम्मीर देव के मंत्री रणमल के विश्वासघात के कारण 1301 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने किले को जीत लिया।
- The ruler at this time was Hammir Dev. In 1300 AD, the Ranthambore campaign took place and due to the betrayal of Ranmal, the minister of Hammir Dev, Alauddin Khilji conquered the fort in 1301 AD.





अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296–1316) चित्तौड़ विजय - 1303 ई.

• 1303 ई. में चित्तौड़ अभियान अलाउद्दीन ने रानी पद्मावती के लिए किया और यहां के राजा रतन सिंह को पराजित कर दिया किंतु रानी पद्मावती ने चित्तौड़ की महिलाओं के साथ जौहर कर लिया.

Chittor conquest - 1303 AD

• In 1303 AD, Alauddin did the Chittor campaign for Queen Padmavati and defeated Raja Ratan Singh here, but Rani Padmavati committed Jauhar with the women of Chittor.



मालवा विजय - (305 ई.



अलाउद्दीन खिलजी Alauddin Khilji (1296–1316) • इस समय यहां का शासक महलक देव था, 1305 में मालवा अभियान हुआ जिसमें महलक देव पराजित हुआ और मालवा को सल्तनत में मिलाया गया।

Malwa conquest - 1305 AD.

• The ruler of this time was Mahalak Dev, in 1305 Malwa campaign took place in which Mahalak Dev was defeated and Malwa was annexed to the Sultanate.





दक्षिण भारत अभियान

South India Campaign

देवगिरि अभियान -1307 ई./

Devagiri

Conquest –

1307 A.D

इस समय देविगिरि का शासक रामचन्द्रदेव था। 1307 में मिलक काफूर नेदेविगिरी पर आक्रमण किया।

• At this time the ruler of Devagiri was Ramchandradev. In 1307, Malik Kafur attacked devgiri.

रामचन्द्रदेव को परिवार सिहत दिल्ली भेज दिया गया। रामचन्द्र देव यहां पर 6 महीने तक रहा और अपनी एक पुत्री का विवाह सुल्तान के साथ कर दिया।

- Ramchandra Dev was sent to Delhi along with his family.

 Ramchandra Dev stayed here for 6 months and married one of his daughters to the Sultan.
- सुल्तान ने इसे 1 लाख स्वर्ण मुद्रा एवं राय-राया की उपाधि प्रदान की।
- The Sultan gave it one lakh gold currency and the title of Rai-Raya.





दक्षिण भारत अभियान South India Campaign पाण्ड्य राज्य पर आक्रमण (1311 ई.)

• इस समय यहां का शासक वीर पांड्य था, ईसकी राजधानी मदुरा थी। 1311 में मिलक काफूर ने मदुरा पर आक्रमण किया, लेकिन वीर पाण्ड्य इसके हाथ नहीं लगा। यहां पर इसने भीषण लूट पाट किया। दक्षिण का यही एक राजा था जिसने अलाउद्दीन खिलजी की अधीनता स्वीकार नहीं की।

Attack on Pandya kingdom-1311 A.D.

• At this time the ruler here was Veer Pandya, its capital was Madura. In 1311, Malik Kafur attacked Madura, but Veer Pandya ran away. Here he committed a horrific robbery. This was the only king of the south who did not accept the subjugation of Alauddin Khilji.





खिलजी की बाजार नियंत्रण नीति Khilji's market control policy

- अलाउद्दीन खिलजी ने बाजार नियंत्रण नीति क्यों लागू की, इस सन्दर्भ में बन उल्लेख करता है कि बाजार नियंत्रण नीति सेना की सुविधा के लिए लागू की गयी थी।
- In the context of why Alauddin Khilji implemented the market control policy, Ban mentions that the market control policy was implemented for the convenience of the army.





- बाजार नियंत्रण नीति दो सिद्धांतों पर आधारित थी :
- The market control policy was based on two principles:-
- 1. उत्पादन लागत के आधार पर वस्तुओं का मूल्य निर्धारण।
 - 2. Pricing of goods on the basis of cost of.
- 3. बाजार में आम जरूरत की वस्तुओं की कमी न हो जाए।
 - 4. There should be no shortage of common necessities in the market.

खिलजी की बाजार नियंत्रण नीति

Khilji's market control policy





- सुल्तान ने 4 प्रकार के बाजार गठित किए:
- (मंडी:-) यह अनाज का बाजार था। इससे सम्बन्धित 8 जाब्ता (अधिनियम) थे। पहला अधिनियम सर्वाधिक महत्वपूर्ण था जिसने अन्तर्गत सभी प्रकार के अनाजों का मूल्य निर्धारित था। अनाज बाजार के नियंत्रण करने के लिए सुल्तान ने शहना-ए-मंडी की नियुक्ति की और जमाखोरों को कठोर दण्ड की व्यवस्था की।
- The Sultan constituted 4 types of markets:
- Mandi:- It was a grain market. There were 8 Jabtas (Acts) related to this. The first act was the most important, under which the price of all types of grains was fixed. To control the grain market, the Sultan appointed Shahna-i-Mandi and arranged for harsh punishment to the hoarders.





- सराय अदल न्याय का स्थान) :- इससे सम्बन्धित 5 अधिनियम थे। यह एक तरह से सरकारी सहायता प्राप्त बाजार था। इसमें विभिन्न प्रकार के कपड़े, मेवे, जड़ी-बूटियां, घी, चीनी आदि बिकता था।
- Sarai Adal (Place of Justice):- There were 5 Acts related to this. It was a kind of government aided market. Various types of clothes, nuts, herbs, ghee, sugar etc. were sold in it.





- घोड़ों, दासों, एवं मवेशियों का बाजार:) इससे सम्बंधित सामान्य नियम थे। पहला नियम- किस्म के अनुसार मूल्य निर्धारण था। दूसरा नियम- दलालों पर कठोर नियन्त्रण था।
- Horses, Slaves, and Cattle market:- There were general rules related to this. The first rule was pricing according to the variety. The second rule was strict control over the brokers.
- सामान्य बाजारे;- इस बाजार में आम जरूरत की वस्तुएँ बिकती थी जैसे सब्जी, मिट्टी के बर्तन आदि। इनका मूल्य भी उत्पादन मूल्य पर आधारित किया गया था।
 - General Market: In this market, items of common need were sold like vegetables, earthen utensils etc. Their value was also based on the production value.





अलाउद्दीन खिलजी के निर्माण-कार्य

Construction Works of Alauddin Khilji

- अलाई दरवाजा-दिल्ली Alai Darwaza-Delhi
- भारी का किला-दिल्ली /Siri Fort Delhi/
- हजार खम्भा महल- दिल्ली /Hazar Khambh Mahal - Delhi







Q.1 किस राजवंश को समाप्त कर खिलजी वंश की स्थापना की गई थी?

Which dynasty was ended and Khilji dynasty was established?

- a) गुलाम वंश/Slave dynasty
 - b) मुग़ल वंश/Mughal dynasty
 - c) तुगलक वंश/Tughlaq dynasty
 - d) सैय्यद वंश/Sayyid dynasty





Q.१ किसको "द्वितीय-सिकंदर" के नाम से जाना जाता था ? [SSC CHSL 2013] Who was known as "II-Alexander"?

- a) जलालुद्दीन खिलजी/Jalaluddin Khilji
- b) मुबारक खिलजी/Mubarak khilji
- c) खुशरों खान/Khushroon Khan

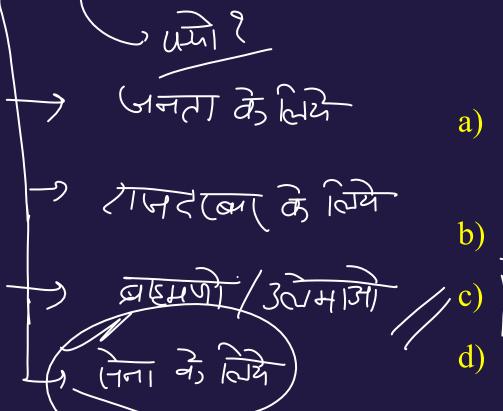






Q.3 ब्राजार नियंत्रण नीति किसके द्वारा लागू किया गया था ? [SSC CHSL 2013]

By whom was the market control policy implemented?



- a) मुहम्मद-बिन-तुगलक/Muhammad-bin-Tughlaq
 - इल्तुतिमश/Itutmish
 - अलाउद्दीन खिलजी /Alauddin Khilji
 - ग्यासउद्दीन/Ghiyasuddin





- Q.4/निम्नलिखित इतिहासकारों में से कौन अलाउद्दीन खिलजी के दक्षिण अभियान में उसके साथ था ?
 - Who among the following historians accompanied Alauddin Khilji in his southern campaign?
 - a) जियाउद्दीन बरनी/Ziauddin Barani
 - b) मिनहाज/Minhaj
 - अमीर खुसरो/Amir Khusro
 - d) हसन निजामी/Hasan Nizami







- a) मोहम्मद-बिन तुगलक/Muhammad-bin Tughlaq
- b) अलाउद्दीन खिलजी /Alauddin Khilji
 - c) पिरोज तुगलक/Firoz Tughlaq
 - d) गयासुद्दीन तुगलक/Ghiyasuddin Tughlaq





Q.6⁄अमीर खुसरो कौन थे ? [SSC CGL 2016]

Who was amir khusro?

- a) वास्तुकार/Architect
- b) नाटक के लेखक/ Playwright
- ,e) (कवि / Poet
- d) चित्रकार/ Painter





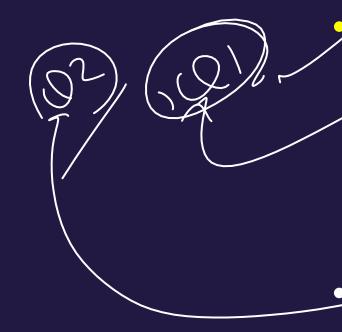
Q.7 र्निम्नलिखित में से किसने दिल्ली के आठ-आठ सुल्तानों का शासनकाल देखा था ?

Who among the following saw the reign of eight Sultans each of Delhi?

- a) अमीर खुसरो /Amir Khusro
 b) जियाउद्दीन बर्नी/Ziauddin Burney
 - c) मिनहास-उस-सिरास/minhas-us-sierras
 - d) शम्से-सिराज अफीक/Shamse-Siraj Afiq







अमीर खुसरों को 'कव्वाली का जनक' माना जाता है। ' वह एक भारतीय संगीतकार, विद्वान और किव थे। वह भारतीय उपमहाद्वीप के सांस्कृतिक इतिहास में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। कहा जाता है कि उसने बलबन से गयासुद्दीन तुगलक तक दिल्ली के आठ सुल्तानों का शासन देखा था।

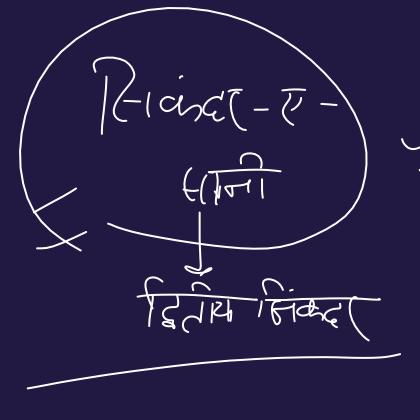
Amir Khusrau is regarded as 'Father of Qawwali.' He was an Indian musician, Scholar & poet. He was an iconic figure in the cultural history of Indian Subcontinent. He is said to have witnessed the reign of eight Delhi Sultans from Balban to Ghiyasuddin Tughlaq.





Q.8 दिल्ली के प्रथम सुल्तान, जिन्होंने दक्षिण भारत को पराजित करने का प्रयास किया?

The first Sultan of Delhi, who tried to conquer South India?



अलाउद्दीन खिलजी /Alauddin Khilji

- b) नसीरुद्दीन खुसरव शाह/Naseeruddin Khusrav Shah
 - लुबुद्दीन मुबारक/Qutubuddin Mubarak
- d) जलालुद्दीन फिरोज/Jalaluddin Firoz





Q.9 चित्तौड़ के कीर्ति स्तंभ (विजयी स्तंभ) का निर्माण करवाया था ? [SSC CGL 2002]

Who got the Kirti Stambh (victory pillar) of Chittor built?

- a) राणा प्रताप ने/Rana Pratap
- (b) राणा कुंभा ने / Rana Kumbha
 - c) राणा सांगा ने/Rana Sanga
 - d) बप्पा रावल ने/Bappa Rawal





Q.10 किसने 1297 ई. में मिलक काफूर को 'मिलक-ए-नायब' बना दिया ? [SSC CHSL] Who made Malik Kafur as 'Malik-e-Naib' in 1297?

- a) नसीरुद्दीन खुसरव शाह/Naseeruddin Khusrav Shah
- b) जलालुद्दीन फिरोज/Jalaluddin Firoz
- c) कुतुबुद्दीन मुबारक/Qutubuddin

Mubarak

d) अलाउद्दीन खिलजी / Alauddin Khilji/





Q.11 अलाउद्दीन खिलजी ने निम्नलिखित में से किस कर की शुरुआत की थी ? [SSC CHSL 2017]

Which of the following taxes was introduced by Alauddin Khilji?



- a) घरी /Ghari
- b) कनकृत/Kankut
- c) खराज/Kharaz
- d) जकात/Zakat